दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२२८ | मुंबई, शनिवार २४ जनवरी २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

भारत सरकार की ओर से दस्तावेज़ नहीं दिए जाने के बाद अब अडानी को ईमेल से भेजे जाएंगे दस्तावेज़?

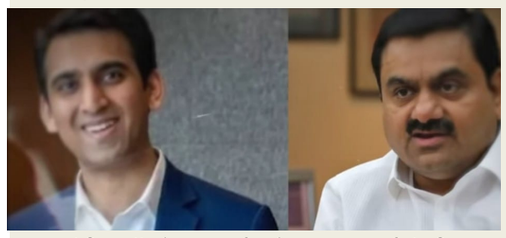

अमेरिका में गौतम अडानी और सागर अडानी के खिलाफ नवंबर 2024 में दर्ज किए गए मामले में अब न्यू यॉर्क की अदालत में अडानी को ईमेल से समन और दूसरे दस्तावेज़ भेजने की अपील की गई है.. गौर करने वाली बात यह है कि भारत सरकार के अधिकारियों से बार बार कोशिश करने के बावजूद भी इन अधिकारियों ने अदालती दस्तावेज़ अडानी को नहीं पहुंचाए, जिसके वजह से अब ईमेल से यह काम करने की बात की जा रही है! भारत सरकार के अधिकारियों का यह रवैया आखिर क्या दर्शाता है??

मध्य प्रदेश के उज्जैन में बजरंग दल कार्यकर्ता की पिटाई के बाद माहौल तनावपूर्ण

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में बजरंग दल कार्यकर्ता के साथ मारपीट के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। आक्रोशित भीड़ ने थाने का घेराव किया और दुकानों के साथ ही वाहनों में भी

तोड़फोड़ की। घटना उज्जैन जिले के तराना तहसील की है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस का दावा है कि हालात नियंत्रण में है। सोहेल ठाकुर का आरोप है कि वो लव जिहाद के खिलाफ काम कर रहा था और सरस्वति पूजा के कार्यक्रम में शामिल था इसीलिए उसे निशाना बनाया गया। कुछ लोगों ने अचानक उस पर हमला कर दिया।

₹23.75 करोड़ के बैंक गारंटी फ्रॉड में दो लोग गिरफ्तार

मुंबई : इकोनॉमिक ऑफेंस विंग मुंबई ने धोखाधड़ी, जालसाजी और क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी के एक केस में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह केस वेलस्पन डक्टाइल आयर पाइप्स लिमिटेड ने दायर किया था। कंपनी ने आरोप लगाया था कि तीर्थ गोपिकॉ

न लिमिटेड और उसके डायरेक्टर्स ने नकली बैंक गारंटी देकर उससे 23.75 करोड़ रुपये की ठगी की है। इस केस के सिलसिले में, इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने CBI के ज़रिए मुख्य आरोपी, तीर्थ गोपिकॉन लिमिटेड के डायरेक्टर महेशभाई कुंभानी और उनके साथी गौरव प्रदीप धाकड़ को इंदौर से कस्टडी में लिया और उन्हें फॉर्मल तौर पर गिरफ्तार कर लिया। FIR फाइल और ट्रांसफर की गई शिकायत के आधार पर, 2025 में श्र जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत एक FIR शुरू में दर्ज की गई थी, और बाद में डिटेल्ड जांच के लिए इकोनॉमिक ऑफेंस विंग को ट्रांसफर कर दी गई थी।

मोदी ग्लोबल मंच से गायब, विदेश नीति पर सवाल

टेरिफ, दबाव और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर प्रधानमंत्री की चुप्पी सवालों के घेरे में

■ **सईद शेख**

नई दिल्ली। दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल पॉलिटिक्स के अहम मंचों पर अदृश्य नजर आ रहे हैं। असम और बंगाल जैसे स्थानीय कार्यक्रमों में सक्रिय रहकर, वे उस वैश्विक वार्ता और दबाव के मुद्दों पर चुप्पी साधे हैं, जिनमें भारत के हित सीधे जुड़े हैं। चाबहार पोर्ट, रूस और वेनेजुएला से तेल सौदे, अमेरिका के टेरिफ और ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास जैसे मामले हैं, जहां प्रधानमंत्री की सीधे सार्वजनिक टिप्पणी नहीं दिखाई दे रही। विदेशी नीतियों और वैश्विक दबाव के मसलों पर प्रवक्ताओं द्वारा बयान दिए जा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री खुद मौन हैं। विशेषज्ञ सवाल कर रहे हैं: क्या भारत अपनी विदेश नीति ग्लोबल दबावों और राजनीतिक घटनाओं के बीच प्रवक्ताओं

के कंधों पर छोड़ रहा है? अमेरिकी टेरिफ से भारत की कंपनियों पर असर पड़ा है, निवेशक लगातार पैसा निकाल रहे हैं और वैश्विक मंच पर भारत की सक्रियता की कमी देश की साख को चुनौती दे रही है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और चुनावी यात्राओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के बावजूद, ग्लोबल मंच पर नज़र न आना, अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के बीच भारत की छवि पर असर डाल रहा है। ट्रंप, मैक्रों और यूरोप के नेता सार्वजनिक बयान देकर अपनी नीति स्पष्ट कर रहे हैं, जबकि भारत के प्रधानमंत्री की आवाज़ सुनाई नहीं दे रही। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौन नीति से भारत की विदेश नीति की रणनीतिक स्पष्टता पर सवाल खड़े होते हैं। अब सवाल यही है: क्या भारत अपनी भू-राजनीति पर खुद नियंत्रण खो चुका है या रणनीतिक चुप्पी ही नई नीति बन गई है?

छगन भुजबल को बड़ी राहत, ED ने महाराष्ट्र सदन स्कैम में दी क्लीन चिट

मुंबई: महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा नाम और एनसीपी अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल के लिए राहत भरी खबर है। प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें कथित महाराष्ट्र सदन स्कैम केस में बड़ी राहत दी है। छगन भुगबल को एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को नई दिल्ली में महाराष्ट्र सदन के निर्माण से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपमुक्त कर दिया। यह मामला 2005-2006 में एक ठेके से संबंधित था।

छगन भुजबल पर क्या आरोप?

दरअसल छगन भुजबल पर आरोप था कि उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का मंत्री रहते हुए 'महाराष्ट्र सदन' के निर्माण की जिम्मेदारी एक कंपनी को दी थी और इसके बदले लाभ प्राप्त किया था। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, भुजबल और उनके परिवार के सदस्यों ने महाराष्ट्र सदन के निर्माण के लिए निर्माण कंपनी केएस चमनकर से रिश्वत ली थी। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि निर्माण कंपनी ने उन कंपनियों को पैसे ट्रांसफर किए थे, जिनमें मंत्री के बेटे पंकज और भतीजे समीर भुजबल निदेशक थे। एक अधिवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों के विशेष न्यायाधीश सत्यनारायण रामजीवन नवंदर ने इस मामले में एनसीपी के वरिष्ठ नेता और अन्य आरोपियों को आरोप-मुक्त करने की अर्जी स्वीकार कर ली। ईडी का मामला एनसीपी नेता और उनके परिजनों के खिलाफ भ्रष्टाचार-निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की ओर से दर्ज एफआईआर पर आधारित है।

ईडी का क्या था आरोप?

इस मामले में आरोप था कि महाराष्ट्र सदन की मूल लागत 13.5 करोड़ रुपये थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये कर दिया गया। ईडी के आरोप के अनुसार, भुजबल को कंपनी से 13.5 करोड़ रुपये की रिश्वत मिली, जबकि कंपनी ने महाराष्ट्र सदन और लोक निर्माण विभाग के अन्य कार्यों से लगभग 190 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया।

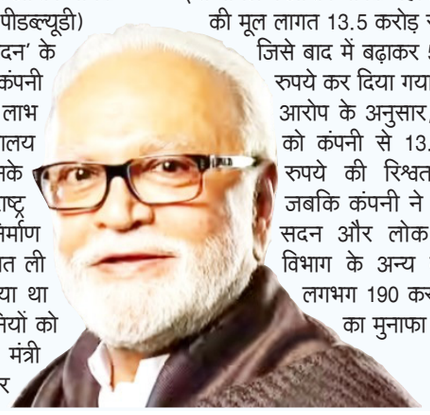

अच्छा है आज बालासाहेब नहीं हैं! मौजूदा राजनीतिक हालात पर राज ठाकरे का तीखा तंज

शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की 100वीं जयंती (23 जनवरी) के अवसर पर शुक्रवार को मुंबई के षण्मुखानंद हॉल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में महाराष्ट्र की राजनीति का एक दुर्लभ दृश्य देखने को मिला, जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक बार फिर एक ही मंच पर साथ नजर आए। इस मौके पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने मौजूदा राजनीतिक हालात पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'आज के हालात देखकर लगता है कि अच्छा है कि आज बालासाहेब नहीं

हैं।' राज ठाकरे ने वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर गहरी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, 'आज महाराष्ट्र की राजनीति गुलामों का बाजार बन गई है, जहां लोगों की नीलामी हो रही है। अगर आज बालासाहेब जीवित होते, तो यह सब देखकर उन्हें कितनी पीड़ा होती। वे यह कभी सहन नहीं कर पाते।' उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में उन्होंने और उद्धव ठाकरे ने बहुत कुछ समझा है और अब पुरानी कड़वाहट को पीछे छोड़ने का समय आ गया है।

'घर छोड़ने जैसा था पार्टी छोड़ना'

अपने भाषण में राज ठाकरे पहली बार अपने अलगाव के दर्द पर खुलकर बोले। उन्होंने कहा, 'जब मैंने 2005 में शिवसेना छोड़ी, तो वह केवल पार्टी छोड़ना नहीं था, बल्कि अपने घर से बाहर निकलने जैसा था। पिता का साया पहले ही उठ चुका था और फिर अपने चाचा बालासाहेब से दूर जाना मेरे लिए बेहद कष्टदायक था।' राज की इन भावुक बातों को सुनकर मंच पर बैठीं उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे अपने आंसू नहीं रोक सकीं।

जब बालासाहेब ने की थी 'शुश्रूषा'

राज ठाकरे ने बचपन का एक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि जब वे उबलते पानी से झुलस गए थे, तब बालासाहेब रोज सुबह स्वयं डेटॉल और कपास लेकर उनके घाव साफ करते थे। उन्होंने कहा कि राजनीति के पीछे बालासाहेब एक बेहद संवेदनशील कलाकार और पारिवारिक व्यक्ति थे।

अंत में राज ठाकरे की अपील

राज ठाकरे ने कहा कि बालासाहेब केवल एक नेता नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता विश्वविद्यालय थे। उनके कार्टून की हर रेखा में स्पष्टवादिता और साहस झलकता था। उन्होंने जनता से अपील की कि इस शताब्दी वर्ष में बालासाहेब को केवल याद न करें, बल्कि उनके भाषणों, साक्षात्कारों और व्यंग्यचित्रों को नए नजरिए से पढ़ें और समझें।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मध्य प्रदेश के धार में शांतिपूर्वक पूजा व नमाज हुई एक साथ

मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में शुक्रवार को बसंत पंचमी और जुमे की नमाज एक साथ होने के चलते अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। पूरे शहर को किले में तब्दील कर दिया गया, जहां ड्रोन कैमरों से निगरानी, शहर की 3D मैपिंग और करीब 8000 से अधिक जवानों की तैनाती की गई। प्रशासन का साफ संदेश था-कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। **सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार तय हुआ पूजा और नमाज का समय:** इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट का आदेश अहम रहा। अदालत के निर्देशों के अनुसार सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक हिंदू समुदाय द्वारा बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा। दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक मुस्लिम समुदाय द्वारा जुमे की नमाज। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि दोनों धार्मिक गतिविधियां समयबद्ध, पृथक और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गईं।

भोजशाला में छावनी जैसा माहौल: बसंत पंचमी और जुमे की नमाज को लेकर कलेक्टर का बड़ा बयान, सुरक्षा चाक-चौबंद

'भोजशाला में छावनी जैसा माहौल: बसंत पंचमी और जुमे की नमाज को लेकर कलेक्टर का बड़ा बयान, सुरक्षा चाक-चौबंद'

सुरक्षा के लिहाज से इस बार तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया गया। पूरे धार शहर की 3D मैपिंग कर सुरक्षा एजेंसियों को हर गली-मोहल्ले की सटीक जानकारी दी गई। ड्रोन कैमरों के जरिए भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखी गई, जबकि AI आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम से संदिग्ध मूवमेंट की पहचान की गई। भोजशाला क्षेत्र और आसपास 140 से अधिक CCTV कैमरे लगाए गए थे।

नो-फ्लाई जोन, बैरिकेडिंग और सख्त चेकिंग

भोजशाला परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र को नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया। शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर सुबह 6 बजे से सरस्वती पूजा प्रारंभ हुई। सीमित संख्या में श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया गया। पूजा के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और अखंड ज्योति प्रज्ज्वलन किया गया। दोपहर 12 बजे पूजा समाप्त होने के बाद पूरे परिसर को सैनिटाइज किया गया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

गाजा पीस बोर्डः शांति मंच या डोनाल्ड ट्रंप की बादशाहत?

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 'गाजा पीस बोर्ड' का विचार जितना महत्त्वाकांक्षी है उतना ही विवादास्पद भी है। गाजा जैसे जटिल और संवेदनशील समेत संघर्षशील क्षेत्र के लिए एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच डोनाल्ड ट्रंप खड़ा करके अपनी बादशाहत कायम करने दादागिरी कर अपना वर्चस्व बनाना चाहते हैं। जिस तरह से इस बोर्ड की संरचना, सदस्यता और नेतृत्व की रूपरेखा लेकर ट्रंप सामने आए हैं, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य स्थापित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका पर सीधी चुनौती देने का काम किया है। जहां तक भागीदारी का प्रश्न है, ट्रंप ने लगभग 50 देशों को निमंत्रण भेजा था। उनके आमंत्रण पर केवल 19 देशों की भागीदारी संभव हो पाई है। जो देश शामिल हुए हैं, उनमें अधिकांश छोटे और सीमित प्रभाव वाले देश हैं। इस पहली बैठक में यूरोपीय संघ के प्रमुख देश शामिल नहीं हुए। रूस, चीन और भारत जैसे देश भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। प्रभावशाली अरब राष्ट्र इस पहल में शामिल नही हैं। इससे स्पष्ट है कि डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड के इस प्रस्ताव को दुनिया के देशों का समर्थन नहीं मिल रहा है। इस बोर्ड की वैधता और प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। शांति प्रक्रिया तभी टिकाऊ हो सकती है, जब तक कि उसमें वैश्विक स्तर की सभी क्षेत्रीय शक्तियाँ और शक्तिशाली देश शामिल नहीं हो जाते। ऐसी स्थिति में इस बोर्ड का कोई महत्व नहीं रहेगा। गाजा पीस बोर्ड की 'भारी भरकम फीस' को लेकर भी कई देश इसमें शामिल होने के लिए तैयार नहीं है। शांति मंच का उद्देश्य किसी भी तरह के संघर्ष का समाधान बोर्ड के माध्यम से होना चाहिए। गरीब और छोटे देश को ना तो इसमें प्रतिनिधित्व मिलेगा और ना ही वह भारी भरकम फीस अदा कर पाएंगे। छोटे देश के लिए इसकी सदस्यता भी आर्थिक भार के रूप में सामने आ रही है, जिसके कारण ट्रंप के इस प्रस्ताव को कोई समर्थन मिलता हुआ दिख नहीं रहा है। सदस्यता शुल्क अधिक होने के कारण चुनिंदा देश ही इसे वहन कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में यह मंच वैश्विक स्थिति में कोई सार्थक भूमिका निभा पाएगा इस पर अपने आप पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इससे यह भी आशंका पैदा होती है, कि कहीं यह पहल ट्रंप की पीस बोर्ड की आड़ में व्यापारिक परियोजना के रूप में तो नहीं लाई जा रही है। सबसे संवेदनशील प्रश्न ट्रंप के 'स्थाई अध्यक्ष' बनने के प्रस्ताव से जुड़ा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में नेतृत्व आमतौर पर सामूहिक सहमति, रोटेशन और संतुलन के सिद्धांत पर आधारित होता है। स्थाई अध्यक्ष का विचार न केवल लोकतांत्रिक भावना के विरुद्ध है, बल्कि इस स्थिति में इस बोर्ड पर विश्वास करना भी कठिन हो जाता है।

मीरा-भायंदर में कांग्रेस-शिंदे सेना गठबंधन से सियासी घमासान, भाजपा ने कहा–चेतावनी हुई सच

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः मीरा-भायंदर महानगरपालिका (MBMC) के चुनाव परिणामों के बाद हुए राजनीतिक घटनाक्रम ने तीखी प्रतिक्रियाएँ पैदा कर दी हैं। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने दावा किया है कि कांग्रेस और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच 'सत्तालोलुप और अवसरवादी गठबंधन' को लेकर चुनाव प्रचार के दौरान जताई गई उनकी आशंका अब सही साबित हो गई है।

कांग्रेस और शिंदे-नेतृत्व वाली शिवसेना ने गुरुवार को औपचारिक रूप से 'मीरा-भायंदर सिटी डेवलपमेंट अलायंस' (मीरा भायंदर शहर विकास आघाडी) के गठन की घोषणा की। इस विपक्षी आघाड़ी का पंजीकरण कोकण विभागीय आयुक्त के समक्ष कराया गया है। गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस के एक पार्षद के पास रहेगा, जिससे महापालिका की राजनीति में नया समीकरण उभर कर सामने आया है।

इस घटनाक्रम पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए नरेंद्र मेहता ने कहा कि यह गठबंधन 'विचारधारा नहीं, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व बचाने की राजनीति' को उजागर करता है।

उन्होंने कहा, 'चुनाव प्रचार के दौरान मैंने जनता को आगाह किया था कि भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस और शिंदे सेना के बीच पर्दे के पीछे समझौता हुआ है। आज वही समझौता खुले तौर पर सामने आ गया है।'

मेहता ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान कई वार्डों में दोनों दलों ने जानबूझकर एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारे, ताकि भाजपा की संभावनाओं को नुकसान पहुँचाया जा सके। चुनाव परिणामों में भाजपा ने 78 सीटों के साथ ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया, जबकि कांग्रेस को 13 सीटें मिलीं और शिंदे सेना महज तीन सीटों पर सिमट गई।

मेहता ने आगे कहा, 'जनता ने इस अपवित्र गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। जिसे 'विकास' का मोर्चा बताया जा रहा है, वह वास्तव में राजनीतिक विश्वासघात की आघाड़ी है।'

दूसरी ओर, परिवहन मंत्री और शिंदे सेना के वरिष्ठ नेता प्रताप सरनाईक ने इस गठबंधन का बचाव करते हुए स्पष्ट किया कि दोनों दलों का राजनीतिक विलय नहीं हुआ है।

सरनाईक ने कहा, 'हम कांग्रेस में शामिल नहीं हुए हैं। दोनों दलों के नगरसेवकों ने एक स्वतंत्र आघाड़ी बनाई है, ताकि भाजपा अपने भारी बहुमत का दुरुपयोग न कर सके और महापालिका में संतुलन बना रहे।'

इस आघाड़ी का प्रभाव स्वीकृत (नॉमिनेटेड) नगरसेवकों के चयन पर भी पड़ेगा, जिनकी संख्या अब पाँच से बढ़कर नौ हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यदि सभी दल अलग-अलग पंजीकरण कराते, तो इन सीटों पर भाजपा का दबदबा कहीं अधिक होता।

हालाँकि यह नया गठबंधन महापालिका में भाजपा के सत्ता संतुलन को बदलने में सक्षम नहीं दिखता, लेकिन इसने मीरा-भायंदर की राजनीति में एक नया मोड़ जरूर ला दिया है, जिससे आगामी कार्यकाल में सत्ता पक्ष और संगठित विपक्ष के बीच टकराव और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

बदलापुर में शिवसेना और भाजपा के बीच खूनी झड़प, मनोनीत पार्षद की बेरहमी से पिटाई

मुंबईः चुनाव के बाद भी बदलापुर में शिवसेना (शिंदे गुट) और भाजपा के बीच टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार रात वालिवली इलाके में शिवसेना के मनोनीत नगरसेवक हेमंत चतुरे की

बेरहमी से पिटाई किए जाने की गंभीर घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, हेमंत चतुरे अपने साथियों के साथ सोनीवली में माघी गणेशोत्सव के दर्शन के लिए गए थे।

इसी दौरान भाजपा पदाधिकारी तेजस उर्फ बंटी म्हस्कर अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे। दोनों गुटों के आमने-सामने आने पर कहासुनी बढ़ गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। चतुरे का आरोप है कि विवाद के दौरान तेजस म्हस्कर के साथ मौजूद करीब 20 से 25 लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कथोरे और वामन म्हस्कर गुट के बीच तनाव बढ़ गया था

गौरतलब है कि बदलापुर शहर में शिवसेना के उपशहर प्रमुख रहे बंटी उर्फ तेजस म्हस्कर विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद से विधायक कथोरे गुट और शिवसेना नगर प्रमुख वामन म्हस्कर गुट के बीच तनाव बढ़ गया था। हाल ही में हुए नगर पालिका आम चुनावों में बंटी म्हस्कर की पत्नी और शिवसेना के हेमंत चतुरे के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, जिसमें म्हस्कर की पत्नी विजयी रहीं, जबकि चतुरे को हार का सामना करना पड़ा।

तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया

इसके बावजूद शिवसेना ने चतुरे को मनोनीत नगरसेवक बनाकर सदन में शामिल किया था। इस घटना के बाद बदलापुर में शिवसेना और भाजपा के बीच राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्मा गया है। सहायक पुलिस आयुक्त शैलेश काले ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और तीन आरोपियों योगेश म्हस्कर, तेजस म्हस्कर और सागर म्हस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एमबीएमसी में गट नेताओं की नियुक्तिः हसमुख गहलोत बने भाजपा गट नेता, जय सिंह ठाकुर को 'शहर विकास आघाड़ी' की कमान

मीरा-भायंदरः मीरा-भायंदर महानगरपालिका (MBMC) में गट नेताओं की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से हसमुख गहलोत को एक बार फिर पार्टी का गट नेता चुना गया है, जबकि कांग्रेस के नव-निर्वाचित नगरसेवक और पूर्व पत्रकार जय राजेन्द्र सिंह ठाकुर को 'शहर विकास आघाड़ी' का गट नेता नियुक्त किया गया है। हसमुख गहलोत वर्ष 2017 में पहली बार भाजपा के टिकट पर वार्ड क्रमांक 12 से निर्वाचित हुए थे। इसके बाद उन्होंने फरवरी 2019 से अगस्त 2022 तक उपमहापौर के रूप में जिम्मेदारी निभाई। यह दूसरी बार है जब उन्हें मीरा-भायंदर महानगरपालिका में भाजपा का गट नेता चुना गया है। मूल रूप से पाली, राजस्थान के निवासी हसमुख गहलोत पार्टी संगठन में एक अनुभवी और प्रभावशाली नेता माने जाते हैं।वहीं, कांग्रेस के टिकट पर पहली बार चुनाव जीतकर आए जय राजेन्द्र सिंह ठाकुर को शहर विकास आघाड़ी का गट नेता बनाया गया है। यह आघाड़ी शिवसेना (शिंदे गुट) के तीन और कांग्रेस के 13 नगरसेवकों को मिलाकर गठित की गई है। प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले जय ठाकुर पेशे से पूर्व पत्रकार रह चुके हैं और नगर राजनीति में उनकी यह पहली बड़ी जिम्मेदारी मानी जा रही है। गट नेताओं की नियुक्ति के बाद अब महानगरपालिका में औपचारिक महापौर चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सूत्रों के अनुसार, यह चुनाव आगामी एक सप्ताह के भीतर संपन्न होने की संभावना है। इस बार मीरा-भायंदर में महापौर पद के लिए महिला आरक्षण खुला (ओपन) श्रेणी में लॉटरी के माध्यम से तय हुआ है, जिसके चलते कई दावेदार मैदान में हैं। इसी बीच मराठी एकीकरण समिति और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मराठी महापौर की मांग को लेकर तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी है, जिससे आने वाले दिनों में स्थानीय राजनीति और अधिक गर्माने के संकेत मिल रहे हैं।

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959

www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

SIPPIN' MADE SWEETER
SODA CENTRAL House of Mocktails
Follow Us On Instagram & Facebook

D-11,Green Park, Opp. Millat Garden Gate, Off New Link Road, Andheri West. 97300 74150

MIB®
MEN IN BLACK
GLOBAL PROTECTION SERVICES
Contact: +91 93247 65876

'इतनी बड़ी एक्ट्रेस नहीं हो....'

एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने कियारा आडवाणी के साथ फ्लाइट में हुए अपने कथित खराब अनुभव को लेकर वीडियो साझा किया है, जो अब चर्चा में है। इन्फ्लुएंसर कार्तिकेय के मुताबिक, वह जयपुर से मुंबई बिजनेस क्लास में अपनी मां के साथ यात्रा कर रहे थे, उसी फ्लाइट में कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन भी मौजूद थे। सीट नंबर को लेकर भ्रम के कारण उनकी मां गलती से कियारा की सीट पर बैठ गई थीं, लेकिन एयरहोस्टेस के बताने पर तुरंत उठ गईं। कार्तिकेय का दावा है कि इस छोटी सी गलती पर कियारा के चेहरे के भाव काफी नाराजगी भरे थे, जिससे उन्हें असहज महसूस हुआ। उनके एक्सप्रेशंस से लग रहा था कि वह एक 'नॉन-सेलिब्रिटी' को अपनी सीट पर बैठा देखकर बहुत असहज हैं। कार्तिकेय ने वीडियो में कहा, 'कियारा आडवाणी का वह एक्सप्रेशनष्ठ तुम तो इतनी बड़ी एक्ट्रेस भी नहीं हो। वह चेहरा मेरे दिमाग में छप गया है।' उन्होंने यह भी बताया कि लैंडिंग के बाद कियारा और कार्तिक ने कैबिन क्रू के साथ सेल्फी लेने से मना कर दिया।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर हैं पहलवान रवि दहिया की नजरें

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमें स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे। यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी।

अकोला में भाजपा सबसे बड़ी

लेकिन प्रकाश आंबेडकर की चाल ने सत्ता पर ब्रेक लगाया

अकोला। महानगरपालिका में इस बार भाजपा 38 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी है, लेकिन बहुमत के लिए आवश्यक 41 सीटों तक पहुंचने से पहले ही विरोधी दलों ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने की तैयारी शुरू कर दी है। एमआईएम, कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी ने मिलकर भाजपा को रोकने की रणनीति बनाई है, जबकि भाजपा ने ठाकरे गुट को गठबंधन का प्रस्ताव दिया। अकोला महानगरपालिका में कुल 80 सीटें हैं और बहुमत के लिए 41 नगरसेवकों की आवश्यकता है। चुनाव परिणाम में भाजपा सबसे आगे रही, लेकिन बहुमत पूरा करने के लिए उसे अभी तीन और नगरसेवकों की जरूरत है। कांग्रेस के पास 21 सीटें हैं, ठाकरे गुट को छह, वंचित बहुजन आघाड़ी को पांच, राष्ट्रवादी (शरद पवार गुट) को तीन, एमआईएम को तीन और अपक्ष तथा महानगर विकास आघाड़ी को एक-एक सीट मिली है। शिंदे और अजित पवार गुट के एक-एक नगरसेवक भाजपा के साथ आए तो भी बहुमत नहीं बनता। भाजपा और ठाकरे गुट के बीच गठबंधन की चर्चाएं हुईं, लेकिन वे अंतिम रूप में विफल रही। उबाटा गुट ने विकास के मुद्दों पर भाजपा के सामने कुछ प्रस्ताव रखे थे, लेकिन भाजपा ने उपमहापौर पद की मांग को अस्वीकार कर दिया। इस तरह, बहुमत के लिए भाजपा को मित्र दलों का समर्थन जरूरी हो गया।

अकोला में शिंदे गुट और अजित पवार गुट के एक-एक नगरसेवक किंग मेकर की भूमिका निभा रहे हैं। विरोधी दलों ने भी सत्ताप्राप्ति की रणनीति तैयार कर ली है। प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व में वंचित बहुजन आघाड़ी,

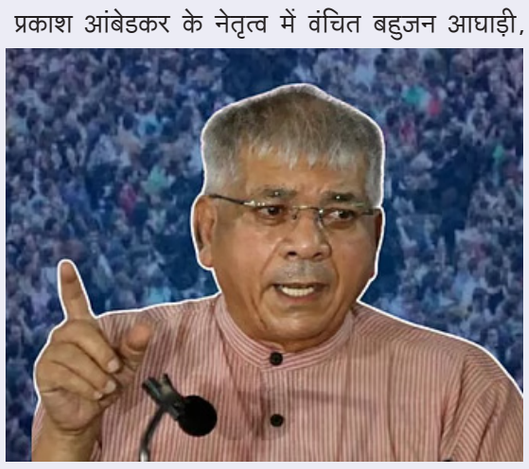

कांग्रेस, ठाकरे गुट, एमआईएम और राष्ट्रवादी दलों की बैठक हुई। बैठक में तय हुआ कि भाजपा को रोकने के लिए महापौर और उपमहापौर पद का बंटवारा रणनीतिक रूप से किया जाएगा। कांग्रेस ने महापौर या उपमहापौर पद का दावा नहीं किया, उनका मुख्य उद्देश्य भाजपा को सत्ता से दूर रखना है। वंचित बहुजन आघाड़ी और ठाकरे गुट में महापौर पद को लेकर रस्साकशी जारी है।

इस चुनाव में महापौर पद ओबीसी महिला आरक्षित है। भाजपा के पास 13 ओबीसी महिला उम्मीदवार हैं, लेकिन गठबंधन की रणनीति के चलते भाजपा का यह पद खतरे में है।

वंचित बहुजन आघाड़ी की ओर से जयश्री बहादुरकर का नाम चर्चित है, जबकि ठाकरे गुट की ओर से सुरेखा काळे और सोनाली सरोदे उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने पद का दावा छोड़ा, लेकिन उनकी महिला उम्मीदवार नाराज होकर भाजपा विरोधी निर्णय ले सकती हैं। अकोला महापालिका की सत्ता का खेल अब इस बात पर टिका है कि किंग मेकर के रूप में अजित पवार और एकनाथ शिंदे गुट के नगरसेवक किसका साथ देंगे। बहुमत के लिए भाजपा को तीन और सीटों की जरूरत है, और विपक्षी गठबंधन की रणनीति यदि सफल होती है तो भाजपा न केवल महापौर पद, बल्कि बहुमत दोनों से हाथ धो सकती है। इस तरह, अकोला की राजनीतिक गुत्थी अब इस बात पर निर्भर है कि महापौर पद किसके हाथ में जाएगा। इस चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद महापौर पद और सत्ता पर नियंत्रण खोने के कगार पर है। गठबंधन दलों की रणनीति, किंग मेकर की भूमिका और महिला आरक्षण ने अकोला महापालिका चुनाव को पहले से कहीं अधिक रोमांचक और राजनीतिक रूप से संवेदनशील बना दिया है।

खावड़ा पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट से प्रभावित किसानों को ₹4.5 करोड़ का मुआवज़ा दिया गया

इस्माईल खान

भिवंडी : रेज़ोनिया लिमिटेड की कंपनी खावड़ा IV-C पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड ने महाराष्ट्र के भिवंडी, वाडा, जव्हार और विक्रमगढ़ तालुका में पावर ट्रांसमिशन टावर और उससे जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के कंस्ट्रक्शन से प्रभावित किसानों को मुआवजा देना शुरू कर दिया है। कंपनी के सूत्रों के मुताबिक, ज़मीन के इस्तेमाल और फसल के नुकसान के लिए ₹4.5 करोड़ से ज़्यादा का मुआवजा पहले ही बांटा जा चुका है।

यह मुआवजा प्रोजेक्ट के तहत ट्रांसमिशन टावर लगाने के लिए ज़रूरी ज़मीन के इस्तेमाल का अधिकार देने के बदले दिया जा रहा है। सरकारी लेवल पर बातचीत के बाद, सब-डिवीजनल अधिकारियों ने लोकल ज़मीन के वैल्यूएशन के आधार पर मुआवजे की दरें तय कीं। अधिकारियों ने बताया कि भिवंडी तालुका में मंज़ूर रेट ₹3,300 प्रति स्क्वेयर मीटर, वाडा में ₹1,253 प्रति स्क्वेयर मीटर, विक्रमगढ़ में ₹627 प्रति स्क्वेयर मीटर और जवाहर तालुका में ₹244 प्रति स्क्वेयर मीटर हैं। वाडा में बड़े पेमेंट मुआवज़े की प्रक्रिया के तहत, वाडा तालुका के किसानों को पहले ही काफ़ी पेमेंट मिल चुका है। पंढरीनाथ पाटिल को ₹13.98 लाख दिए गए, जबकि महेंद्र जाधव को ₹8.89 लाख मिले। अधिकारियों ने साफ़ किया कि प्रभावित किसानों को उनकी ज़मीन पर टावर बनाने का काम पूरा होने के बाद उतनी ही रकम फिर से दी जाएगी। कुल मुआवज़े का ब्योरा कंपनी के सूत्रों ने बताया कि अब तक दिए गए कुल मुआवज़े में से, लगभग ₹2.12 करोड़ फ़सल और पेड़ के नुकसान के लिए दिए गए हैं, जबकि ₹2.52 करोड़ ज़मीन से जुड़े मुआवज़े के तौर पर जारी किए गए हैं।

फसल के नुकसान का सही आकलन इस मुआवज़े का मकसद इस ज़रूरी पावर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के बनने से किसानों पर पड़ने वाले पैसे के बोझ को कम करना है। अगर कंस्ट्रक्शन के दौरान खड़ी फसलें खराब हो जाती हैं, तो मुआवज़ा प्रभावित ज़मीन के दायरे और फसल के टाइप के आधार पर तय किया जाता है। खराब पेड़ों के लिए मुआवज़ा रेवेन्यू, हॉर्टिकल्चर और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों द्वारा किए गए जॉइंट इंस्पेक्शन के बाद, सरकारी नियमों के हिसाब से सख्ती से तय किया जाता है।

सेंट्रल रेलवे ने बॉक्साइट और अकेशिया पल्प लोडिंग शुरू करके अपने माल ढुलाई बास्केट का विस्तार किया

मुंबई : सेंट्रल रेलवे के मुंबई डिवीज़न ने दो नई चीज़ों–बॉक्साइट और इम्पोर्टेड ब्लीच्ड हार्डवुड क्राफ्ट अकेशिया पल्प–की लोडिंग शुरू करके अपने फ्रेट पोर्टफोलियो को बढ़ाया है। यह बढ़ोतरी फ्रेट लोडिंग वॉल्यूम बढ़ाने और डिवीज़न के लिए रेवेन्यू बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुंबई डिवीज़न के कुल रेवेन्यू में फ्रेट से होने वाली कमाई का हिस्सा 33इ है। उरण से बॉक्साइट लोडिंग शुरू CR ने मुंबई डिवीज़न के उरण गुड्स शेड से पहला रेक लोड करके बॉक्साइट की लोडिंग में सफल शुरुआत की। 19 जनवरी, 2026 को, मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने उरण गुड्स शेड से ळऊण्श (मेसर्स राजश्री सीमेंट वर्क्स), मलखैद, साउथ सेंट्रल रेलवे में बॉक्साइट का पहला रेक लोड किया।

इस लोडिंग से प्रति रेक 52.38 लाख रुपये की फ्रेट कमाई हुई है, और हर महीने 2 से 3 रेक की उम्मीद है। 29 नवंबर, 2024 को खुला उरण गुड्स शेड पहले ही 21 कार्बन ब्लैक फीड स्टॉक रेक और सीमेंट और क्लिंकर के 21 रेक हैंडल कर चुका है। बॉक्साइट स्पेशलिटी सीमेंट के लिए एक मुख्य इंग्रीडिएंट और ग्रीन, मज़बूत पारंपरिक सीमेंट के लिए एक सस्टेनेबल एडिटिव के तौर पर काम करता है। यह इंडस्ट्रियल वेस्ट (बचे हुए हिस्से) का इस्तेमाल करता है और क्लिंकर प्रोडक्शन से होने वाले ण्ध्2 एमिशन को कम करता है। मुंबई डिवीज़न ने FY 2025-26 में 17.07 मिलियन टन फ्रेट लोडिंग दर्ज की, जो पिछले FY के 16.92 MT से ज़्यादा है। FY 2025-26 में कुल 27 NMG (न्यू मॉल डिफाइड गुड्स) रेक लोड किए गए, जबकि पिछले साल 6 रेक लोड किए गए थे, जो 350इ की तेज़ बढ़ोतरी है।

₹400 करोड़ के नोटबंदी वाले कैश की चोरीः स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने हवाला ऑपरेटर विराट गांधी को गिरफ्तार किया

मुंबई : 400 करोड़ रुपये की नोटबंदी वाली करेंसी की कथित चोरी की जांच में एक बड़ी सफलता मिली है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने को इस मामले में नामजद संदिग्ध हवाला ऑपरेटर विराट गांधी को राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार किया। गांधी अपराध दर्ज होने के बाद से फरार था और माना जाता है कि वह राजनीतिक रूप से संवेदनशील लेन-देन और कथित चोरी से जुड़े कैश के बड़े पैमाने पर इंटर-स्टेट मूवमेंट में मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है।

जांचकर्ताओं ने गांधी की पहचान अहमदाबाद के एक हवाला ऑपरेटर के रूप में की है, जिसके कथित तौर पर एक आश्रम से संबंध हैं और वह फरार ठाणे के बिल्डर किशोर सांवला द्वारा मैनेज किए जाने वाले राजनीतिक फंड का रिसीवर है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के अनुसार, फंड को कथित तौर पर लीगल टेंडर में बदलने के लिए भेजा गया था और इसका इस्तेमाल ठाणे के एक राजनेता द्वारा किया जाना था, जो कथित तौर पर बिल्डर के करीबी हैं।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का मानना है कि गांधी और गिरफ्तार आरोपी विशाल नायडू 400 करोड़ रुपये की चोरी में सीधे तौर पर शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों ने अपने साथियों के साथ मिलकर कथित तौर पर दो ट्रक कंटेनरों को लूटा, जिनमें नोटबंदी वाला कैश था, जिसे सांवला कथित तौर पर कर्नाटक में एक अज्ञात जगह से अहमदाबाद के एक आश्रम में ले जा रहा था। कंटेनरों को पिछले साल 16 अक्टूबर को महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा पर चोरला घाट पर लूटा गया था। अधिकारियों ने बताया कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड से पता चलता है कि गांधी ने बिल्डर सांवला को फोन करते समय खुद को 'भाऊ पाटिल' बताया और कथित तौर पर खेप वापस करने के लिए 100 करोड़ रुपये की मांग की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'कॉल डिटेल रिकॉर्ड एनालिसिस गांधी को जबरन वसूली की साजिश के केंद्र में रखता है।' स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम से उम्मीद है कि वह गांधी से पैसे के लेन-देन, अन्य आरोपियों के साथ उसके कथित संबंधों और कैश के इंटर-स्टेट मूवमेंट में शामिल बड़े नेटवर्क के बारे में पूछताछ करेगी। गांधी कथित तौर पर शिकायतकर्ता संदीप पाटिल के अपहरण से भी जुड़ा हुआ है।

अमरावती भाजपा में 'एक अनार सौ बीमार', महापौर और गटनेता की गुत्थी आज सुलझाएंगे पालकमंत्री

अमरावती। महापालिका चुनाव के नतीजों के बाद महापौर और गटनेता के चयन की प्रक्रिया अब तेजी पकड़ी है। विभागीय आयुक्त ने सभी पार्टी गटनेताओं के नाम जल्द से जल्द भेजने के आदेश दिए हैं। फिलहाल युवा स्वाभिमान और शिवसेना शिंदे समूह की ओर से ही गट नेता बनाए गए हैं। भाजपा, राकांपा, कांग्रेस समेत अन्य पार्टियों ने अभी तक इस संदर्भ में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। भाजपा में इस समय चर्चा का मुख्य विषय यह है कि पार्टी की ओर से किसे गटनेता बनाया जाएगा। शुक्रवार शाम एक महत्वपूर्ण बैठक भी बुलाई गई थी, लेकिन समय पर पदाधिकारी न पहुँचने के कारण बैठक शाम तक के लिए स्थगित कर दी गई। शाम को मनपा चुनाव प्रभारी संजय कुटे की उपस्थिति में इस विषय पर चर्चा होनी थी। सूत्रों के अनुसार, पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले आज अमरावती आकर महापौर और गटनेता का अंतिम निर्णय लेंगे। महापौर पद सर्वसाधारण प्रवर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण भाजपा में कई दावेदार हैं और टिकट वितरण की स्थिति को देखते हुए पार्टी में 'एक अनार सौ बीमार' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। महापौर पद के लिए सुरेखा लुंगारे, राधा कुरील, नूतन भुजाड़े, मिलिंद बांबल और श्रीचंद तेजवानी जैसे नाम चर्चा में हैं। इसके अलावा और भी कई उम्मीदवार वरिष्ठ नेताओं से समर्थन जुटाने में व्यस्त हैं। भाजपा में गट नेता पद को लेकर भी मंथन हुआ, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। पार्टी सूत्रों का कहना है कि महापौर और गटनेता का अंतिम निर्णय आज पालकमंत्री की उपस्थिति में ही होगा। उनके निर्णय के बाद ही भाजपा का अधिकृत गट नेता और महापौर पद का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। स्थानीय पदाधिकारियों की माथापच्ची के बावजूद अंतिम फैसला अब केवल पालकमंत्री पर निर्भर है। भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की निगाहें आज पालकमंत्री के निर्णय पर टिकी हैं, जो अकोला महापालिका की सत्ता की दिशा तय करेगा।

सायन स्थित एक्सपोर्ट फर्म में ₹११.२१ करोड़ का कॉर्पोरेट फ्रॉड सामने आया

मुंबई : एक बड़े कॉर्पोरेट फ्रॉड केस में, नवी मुंबई के एक बिजनेसमैन ने आरोप लगाया है कि उनकी कंपनी के चार्टर्ड अकाउंटेंट (अब मृत) और उनके साथियों ने मिलकर करीब सात सालों में उनकी कंपनी से सिस्टमैटिक तरीके से 11.21 करोड़ रुपये से ज़्यादा का फ्रॉड किया। फीलवेल गारमेंट्स एंड एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर मोहन ठाकुरदास गुरनानी (78) ने अपनी शिकायत में बताया कि यह फ्रॉड जुलाई 2025 में इंटरनल जांच और फोरेंसिक ऑडिट के बाद सामने आया।

गुरनानी, जो नवी मुंबई के कोपरखैरने के रहने वाले हैं, मुंबई के सायन ईस्ट में महिलाओं के एक्सेसरीज बनाने और एक्सपोर्ट करने वाली एक फर्म चलाते हैं, जिसमें लगभग 80 कर्मचारी काम करते हैं। उनकी बेटी, दीपा लखानी, जो अमेरिका में एक फैशन डिज़ाइनर हैं, कंपनी के कामकाज को देखती हैं, जबकि उनके दिवंगत चार्टर्ड अकाउंटेंट, राज लीला मोरे, कंपनी के अकाउंट्स संभालते थे।

ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग स्कैम में 68 साल के लॉजिस्टिक्स बिजनेसमैन से ₹10.98 करोड़ की ठगी

मुंबई : चर्चगेट के 68 साल के एक लॉजिस्टिक्स बिजनेसमैन एक बड़े ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग फ्रॉड का शिकार हो गए हैं, जिसमें साइबर फ्रॉड करने वालों ने कथित तौर पर नकली ट्रेडिंग एप्लिकेशन और WhatsApp ग्रुप के ज़रिए ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर उनसे 10.98 करोड़ रुपये ठग लिए। उनकी शिकायत के आधार पर, साउथ रीजन साइबर पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है और डिटेल में जांच शुरू कर दी है। ऑनलाइन विज्ञापन से फंसाया गया।

चर्चगेट के रहने वाले और एक लॉजिस्टिक्स कंपनी के मालिक होशंग कोवर वज़ीफ़ादरवाला की शिकायत के अनुसार, उन्हें गूगल पर सर्च करते समय स्टॉक मार्केट इन्वेस्टमेंट से जुड़ा एक विज्ञापन दिखा।

इसके तुरंत बाद, उन्हें मोहन शर्मा नाम के एक व्यक्ति का WhatsApp मैसेज मिला, जिसने खुद को स्टॉक एडवाइज़र बताया। शर्मा ने उन्हें TRADER TITAN VIP 46 नाम के एक WhatsApp ग्रुप में जोड़ दिया, जहाँ कई मेंबर रेगुलर तौर पर कथित मुनाफ़े के स्क्रीनशॉट पोस्ट करते थे, जिससे शिकायतकर्ता को ग्रुप के असली होने का यकीन हो गया।

वेस्टर्न रेलवे ने २ अहम ट्रेनों के टर्मिनल और कोच कंपोजिशन में अस्थायी बदलाव की घोषणा की

मुंबई : यात्रियों की जानकारी के लिए, वेस्टर्न रेलवे ने कुछ अस्थायी ऑपरेशनल बदलावों की घोषणा की है, जिसमें (१) ट्रेन नंबर १२९३३/१२९३४ मुंबई सेंट्रल-वात्वा / अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस का टर्मिनल मुंबई सेंट्रल से बांद्रा टर्मिनस शिफ्ट करना, और (२) ट्रेन नंबर २२९६१/२२९६२ मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस में कोचों की संख्या को अस्थायी रूप से १६ से बढ़ाकर २० करना शामिल है।

वंदे भारत एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच लगेंगे

वेस्टर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, ट्रेन नंबर २२९६१/२२९६२ मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से चार अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे और यह २६ जनवरी, २०२६ से ७ मार्च, २०२६ तक २० कोच के रेक के साथ चलेगी।

विनीत ने आगे बताया कि ट्रेन नंबर १२९३३/१२९३४ बांद्रा टर्मिनस-वात्वा / अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस कर्णावती एक्सप्रेस अस्थायी रूप से मुंबई सेंट्रल के बजाय बांद्रा टर्मिनस से शुरू और खत्म होगी, जो २६ जनवरी, २०२६ से ७ मार्च, २०२६ तक लागू रहेगा। ट्रेन नंबर १२९३३ बांद्रा टर्मिनस से १३:५५ बजे रवाना होगी, जबकि ट्रेन नंबर १२९३४ बांद्रा टर्मिनस पर १२:३० बजे पहुंचेगी। बोरीवली और वात्वा / अहमदाबाद के बीच बाकी समय में कोई बदलाव नहीं होगा।

शिवसेना (UBT) नगरसेविका डॉ. सरिता म्हस्के फिर से प्रकट हुई, दलबदल की चर्चा शांत हुई

मुंबई : नई चुनी गईं कॉर्पोरेटर डॉ. सरिता म्हस्के, जो अपनी जीत के तुरंत बाद गायब हो गई थीं, बुधवार देर रात सामने आईं और पार्टी बदलने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह अभी भी शिवसेना (UBT) के साथ हैं। गायब होने पर अटकलें म्हास्के, जो चांदिवली और पवई के कुछ हिस्सों वाले वार्ड नंबर १५७ से शिवसेना (UBT) के टिकट पर चुनी गई थीं, लगभग दो दिनों से संपर्क से बाहर थीं, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के संपर्क में हैं। पार्टी की ग्रुप रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के दौरान उनके अनुपस्थित रहने के बाद ये अफवाहें और तेज़ हो गईं।

मंदिर जाने की सफाई इस विवाद पर बोलते हुए, म्हस्के ने कहा कि वह चुनाव से पहले की गई एक धार्मिक मन्नत पूरी करने के लिए तुलजापुर मंदिर दर्शन के लिए गई थीं। उन्होंने आगे कहा कि जीत के बाद मीडिया रिपोर्ट्स में उनका नाम बार-बार आने के कारण पार्टी के वरिष्ठों के निर्देश पर उन्होंने अपना फोन बंद कर दिया था।

माइनॉरिटी लड़कियों की पढ़ाई के लिए गेंदामल कब्रिस्तान ट्रस्ट की ऐतिहासिक पहल

शिवेंद्रसिंहराजे भोसले का 'ऑन द स्पॉट' फैसला

मुन्ना मुजावर

सतारा । देश माइनॉरिटी लड़कियों की पढ़ाई के बारे में सोच रहा है... और सरकार एक्शन ले रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारें माइनॉरिटी कम्युनिटी के विकास के लिए कितनी सेंसिटिव और जागरूक हैं, इसकी एक पॉजिटिव तस्वीर सतारा जिले में देखने को मिली।

यह बात तो सब जानते हैं कि–

अगर लड़कियां पढ़ी-लिखी होती हैं, तो समाज आगे बढ़ता है। एक बांझ मां घर को बेकार में चलाती है, जबकि एक पढ़ी-लिखी महिला पूरे परिवार को रोशन करती है। इसी सोच को असल एक्शन का रूप देने के लिए, गेंदामल कब्रिस्तान ट्रस्ट, सतारा ने माइनॉरिटी मुस्लिम लड़कियों की हायर एजुकेशन के लिए एक अहम और दूरगामी कदम उठाया है। ट्रस्ट की तरफ से यह पक्की मांग की गई कि सतारा जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल शुरू किया जाए। यह हॉस्टल माइनॉरिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम में शामिल है, और आर्थिक रूप से कमजोर और होनहार स्टूडेंट्स के लिए पढ़ाई का एक मजबूत आधार बनेगा।

यह मांग छत्रपति शिवाजी के वंशज, जो पूरे समाज के हर तरह के विकास के लिए दिन-रात काम करते हैं, महाराष्ट्र राज्य के लोक निर्माण मंत्री माननीय चौ. शिवेंद्रसिंहराजे भोसले (बाबराजे) के सामने रखी गई। छत्रपति शिवाजी के विचारों की विरासत को संजोने वाले बाबाराजे को समाज के हर घर, हर जाति और धर्म तक विकास की गंगा पहुंचाने वाले नेता के तौर पर जाना जाता है। इस मांग पर उन्होंने सिर्फ बातें नहीं कीं, बल्कि काम करके दिखाया कि 'मौके पर फैसला' का क्या मतलब होता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तुरंत बुलाकर एस्टीमेट तैयार करने, ज़रूरी ज़रूरतों को पूरा करने और काम में तुरंत तेज़ी लाने के साफ और पक्के निर्देश दिए। साथ ही, गेंडामल कब्रिस्तान ट्रस्ट के हॉल में एक कॉम्पिटिटिव एग्जाम गाइडेंस सेंटर बनाने के बारे में भी एक अहम फैसला लिया गया। सतारा म्युनिसिपल काउंसिल के चीफ को इस सेंटर के लिए एक अच्छी तरह से तैयार लाइब्रेरी, मीटिंग की सुविधाएं, प्रोजेक्टर, डिजिटल लाइब्रेरी और स्टेट-ऑफ-द-आर्ट क्लासरूम बनाने का आदेश दिया गया। इस फैसले में माइनॉरिटी स्टूडेंट्स के आगे आने, कॉम्पिटिटिव एग्जाम के ज़रिए मेनस्ट्रीम में आने, उनकी आँखों में सपने और हाथों में मौके हों, यह बाबाराजे की चाहत साफ़ दिखी।

इसलिए जब बाबाराजे का नाम लिया जाता है, तो आम आदमी के मन में एक ही डायलॉग आता है–'जे ही ते ही, जे नै ते नै!' यानी, जो काम करने का उन्होंने वादा किया था, वह करके रहेगा।

और जो नामुमकिन है, वह भी वे ईमानदारी से कहेंगे।

लेकिन, मंत्री पद की ज़िम्मेदारी संभालने के बाद, बाबाराजे ने सतारा के विकास के लिए इस लाइन को बदल दिया, जिसका अनुभव गेंदामल कब्रिस्तान ट्रस्ट के ट्रस्टियों को खुद देखने को मिला–

'जे ही ते ही,

जो करना मुश्किल हैष्ठ वह उसे भी करेंगे!'

इस मौके पर गेंदामल कब्रिस्तान ट्रस्ट के चेयरमैन साजिदभाई शेख, फारूक शेख, मुजफ्फर शेख, रफीक इसाक शेख, रफीक शफीक शेख, मुहम्मद शेख, मुबीन बागवान, सादिकभाई शेख और दूसरे ट्रस्टी और जाने-माने लोग मौजूद थे। मौजूद लोगों ने ऐसे दूर की सोचने वाले लीडरशिप को सलाम किया। यह उम्मीद जताई गई कि शिक्षा, विकास और सामाजिक बराबरी की इस लड़ाई में बाबाराजे हमेशा आगे रहेंगे।

शराब के पैसे न देने पर युवक और उसके रिश्तेदारों को पीटा गया

शराब पीने के पैसे न मिलने से गुस्साए तीन लोगों ने एक युवक और उसके रिश्तेदारों को सीमेंट के ब्लॉक और हाथ-पैर से बुरी तरह पीटा। यह घटना बुधवार (21 जनवरी) रात चिंचवड़ के गोल्डन चौक इलाके में हुई। साबिर अली मुजीबुल रहमान मनिहार (18, विद्यानगर, चिंचवड़) ने इस बारे में पिंपरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। करण डोधे (18, विद्यानगर, चिंचवड़) को गिरफ्तार कर लिया गया है और दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, जब शिकायत करने वाला मनिहार अपने चाचा के लिए दवा लेकर घर जा रहा था, तो आरोपियों ने उसे रोका और शराब के लिए पैसे मांगे। जब उसने पैसे देने से मना किया, तो आरोपियों ने शिकायत करने वाले के कान के निचले हिस्से पर मारा और पैर पर सीमेंट का ब्लॉक मारकर उसे घायल कर दिया। दूसरे आरोपियों ने भी उसे लात-घूंसों से पीटा। जब शिकायतकर्ता के रिश्तेदारों ने उनसे घटना के बारे में पूछा, तो आरोपियों ने शिकायतकर्ता के चाचा और चचेरे भाइयों को भी पीटा और दोबारा आने पर 'जान से मारने' की धमकी दी। पिंपरी पुलिस जांच कर रही है।

ऑनलाइन जुए के अड्डे पर पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है जो नकली डॉक्यूमेंट्स के आधार पर बैंक अकाउंट खोलकर बैन वेब पोर्टल्स के ज़रिए ऑनलाइन जुआ चला रहा था। यह कार्रवाई बुधवार (21 जनवरी) रात को मारुंजी के एक फ्लैट में की गई। क्राइम ब्रांच यूनिट 2 के पुलिस कांस्टेबल तुषार शेटे ने हिंजेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपने फायदे के लिए बेटिंग पोर्टल के ज़रिए ऑनलाइन जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने उनके पास से 3 लाख 1 हजार रुपये का सामान ज़ब्त किया है। आरोपियों ने नकली डॉक्यूमेंट्स और सिम कार्ड्स का इस्तेमाल करके दूसरों के नाम पर बैंक अकाउंट खोले थे। मुख्य आरोपी के कहने पर ये लोग लैपटॉप और मोबाइल के ज़रिए लोगों से पैसे ट्रांसफर करके ठगी कर रहे थे। हिंजेवाड़ी पुलिस जांच कर रही है।

पुरंदर में महायुति के सहयोगी दल आमने-सामने; अंदरूनी संघर्ष खुलकर आया

मुन्ना मुजावर

पुणेः जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव में पुरंदर में महागठबंधन में BJP की सहयोगी शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजीत पवार) के बीच टकराव शुरू हो गया है।

राज्य के पुराने राजनीतिक दुश्मन पुरंदर के शिवसेना (शिंदे) MLA विजय शिवतारे और BJP में शामिल हुए कांग्रेस के पूर्व MLA संजय जगताप इस चुनाव के मौके पर एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं, जिससे पुरंदर में सहयोगी दलों के बीच टकराव की तस्वीर बन गई है।

लोकसभा में क्या हुआ था?

महागठबंधन के बाद भी लोकसभा चुनाव में शिवतारे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच टकराव हुआ था। शिवतारे ने स्टैंड लिया था कि वह बारामती लोकसभा चुनाव की उम्मीदवार सुनेत्रा पवार के लिए प्रचार नहीं करेंगे। उसके बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मध्यस्थता के बाद शिवतारे और अजित पवार के बीच समझौता हुआ। शिवतारे ने सुनेत्रा पवार के लिए प्रचार किया। लेकिन, असल में उन्हें पुरंदर में बहुमत नहीं मिला।

2019 के विधानसभा चुनाव का बैकग्राउंड

विधानसभा चुनाव में, अजित पवार ने महागठबंधन के बावजूद शिवतारे के खिलाफ़ संभाजी ज़ेंडे को मैदान में उतारा था। कांग्रेस के पूर्व श्रीं संजय जगताप शिवतारे के खिलाफ़ उम्मीदवार थे। 2019 के चुनाव में जगताप ने शिवतारे को हरा दिया था। उस समय अजित पवार ने शिवतारे को हराने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल किया था। अजित पवार ने शिवतारे को सबके सामने चुनौती देते हुए कहा था, 'मैं देखता हूँ तुम कैसे चुने जाते हो।' उस समय शिवतारे हार गए थे। इसलिए, 2024 के लोकसभा चुनाव में शिवतारे शुरू में विपक्ष की भूमिका में थे। अजित पवार के उम्मीदवार उतारने के बावजूद, शिवतारे विधानसभा चुनाव में जीत गए।

ज़िद से मिली म्युनिसिपल काउंसिल अजीत दाद को मिली

शिवतारे के कहने पर, उस समय के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने फुरसुंगी और उरुली कंचन के इलाकों को म्युनिसिपल लिमिट से बाहर करके म्युनिसिपल काउंसिल बनाई थी। इस चुनाव के मौके पर अजीत पवार और शिवतारे फिर आमने-सामने आ गए। हालांकि, इस म्युनिसिपल काउंसिल पर डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार की 'नेशनलिस्ट पार्टी' ने कब्ज़ा कर लिया।

अब फिर आमने-सामने

अब, चूंकि अजीत पवार और शिवतारे ज़िला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव में लड़ रहे हैं, इसलिए दोनों के बीच टकराव और बढ़ने की संभावना है। इस चुनाव में, दोनों 'नेशनलिस्ट', नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इसलिए, अजीत पवार और शिवतारे एक बार फिर आमने-सामने होंगे।

महिला के पेट से निकली 18 किलो वजनी गांठ, डॉक्टर भी रह गए हैरान

मुन्ना मुजावर

पुणेः एक 51 साल की महिला का यूट्रस कुछ ही समय में काफी बढ़ गया। उसे पिछले दो महीनों से पीरियड्स में बहुत ज़्यादा ब्लीडिंग हो रही थी। इस वजह से उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। मेडिकल जांच में पता चला कि उसके यूट्रस में एक बड़ा ट्यूमर है। डॉक्टरों ने ओपन एब्डॉमिनल सर्जरी करके 18 ु का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया, जिससे उसकी जान बच गई।

महिला को पिछले दो महीनों से पीरियड्स में बहुत ज़्यादा ब्लीडिंग हो रही थी। उसे मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए आदित्य बिड़ला मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उस समय, उसका हीमोग्लोबिन घटकर सिर्फ़ 5 ग्राम प्रति डेसीलीटर रह गया था। उसे पहले से दिल की भी दिक्कतें थीं।

सर्जरी से पहले, महिला की यूरेटेरिक स्टेंटिंग हुई, यह एक ऐसा प्रोसेस है जिसमें यूरेटर में कुछ समय के लिए एक स्टेंट डाला जाता है, यह वह ट्यूब है जो किडनी से ब्लैडर तक जाती है, ताकि यूरिनरी ट्रैक्ट के ज़रूरी स्ट्रक्चर को बचाया जा सके। क्योंकि उसे दिल की बीमारी का ज़्यादा खतरा था, इसलिए लगातार हार्ट मॉनिटरिंग की गई। कैंसर की संभावना को खत्म करने के लिए टेस्ट किए गए। यूट्रस ट्यूमर का साइज़ बड़ा होने के बावजूद, सर्जनों ने ओपन एब्डॉमिनल सर्जरी से एक बार में 18 ु का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया। खास बात यह है कि सर्जरी के दौरान ब्लीडिंग 100 स्त से भी कम थी। इस वजह से, मरीज़ को सर्जरी के दौरान या बाद में खून देने की ज़रूरत नहीं पड़ी।

यूट्रस ट्यूमर का साइज़ बड़ा होने और मरीज़ की बिगड़ती हालत की वजह से यह केस मुश्किल था। इसके लिए, ऑपरेशन से पहले की सख्त प्लानिंग, ब्लड मैनेजमेंट और सटीक सर्जरी से, हम आस-पास के अंगों को नुकसान पहुँचाए बिना पूरे ट्यूमर को सुरक्षित रूप से निकाल पाए। ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. निखिल पर्वते ने कहा कि इसके लिए, जल्दी डायग्नोसिस और समय पर मेडिकल इंटरवेंशन ज़रूरी थे।

रात के वक्त पुणे में युवक को सड़क पर रोका; पहले गहने और पैसे लूटे, फिर दिल दहला देने वाली वारदात

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे शहर के कोंढवा इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यस्त सड़क पर 24 वर्षीय युवक को बंदूक की नोक पर लूट लिया गया। चोर सिर्फ गहने और मोबाइल फोन लेकर ही नहीं रुके, बल्कि युवक को धमकाकर ऑनलाइन पैसे भी ट्रांसफर कर दिए।

पिसोली स्थित एआरबी टाउन सोसाइटी में रहने वाला 24 वर्षीय एक युवक रात के समय कोंढवा के कौसरबाग इलाके से गुजर रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार दो लुटेरों ने उसे रोक लिया। लुटेरों ने धारदार हथियार दिखाकर उसे मौके पर ही जान से मारने की धमकी दी।

चोरों ने पहले युवक का मोबाइल फोन और चांदी के गहने जबरदस्ती छीन लिए। फिर उन्होंने उसे ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया और उसके अपने खाते में 10,000 रुपये जमा करा दिए। इस अचानक हुए हमले से युवक बेहद भयभीत हो गया। घटना के कुछ दिनों बाद वह ठीक हुआ और तुरंत कोंढवा पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई।

कोंढवा पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कौसरबाग इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। जिस बैंक खाते में पैसा जमा किया गया था, उसके आधार पर चोरों का पता लगाया जा रहा है। रात में अकेले राहगीरों को निशाना बनाने वाले इस गिरोह के कारण इलाके में दहशत का माहौल है।

पुणे में सनसनी! पुलिसकर्मी 'नशीली दवाओं का तस्कर' निकला; 20 करोड़ रुपये के तस्करी मामले में चौंकाने वाला खुलासा

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे ग्रामीण पुलिस द्वारा चलाए गए मादक पदार्थों के खिलाफ एक बड़े अभियान में एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। 20 करोड़ रुपये मूल्य की 'एमडी' (मेफेड्रोन) ड्रग्स जब्त की गई हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस रैकेट का मुख्य सरगना पुलिस बल का एक कांस्टेबल निकला, जिसने पूरे राज्य में सनसनी मचा दी है।

संरक्षक ही भोला खूंखार निकलाः इस मादक पदार्थों की तस्करी मामले का मुख्य आरोपी शमसुंदर गुर्जर अहिल्यानगर स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) में पुलिस कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। अपराधियों को गिरफ्तार करने वाली प्रणाली का हिस्सा होने के बावजूद, गुर्जर खुद मादक पदार्थों का तस्कर निकला है। जांच में पता चला है कि गुर्जर अपराधियों और तस्करों को अंदरूनी जानकारी देकर तस्करी रैकेट चलाने में मदद और संरक्षण प्रदान कर रहा था।

शिरूर पुलिस ने पहले शबाद शेख को 2 करोड़ 10 लाख रुपये की ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में ड्रग्स के पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। पुणे ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा और शिरूर पुलिस ने संयुक्त अभियान में शिरूर के पास कुरुंद गांव से 10 किलो एमडी ड्रग्स जब्त की। इस मामले में गुजरात को ड्रग्स की आपूर्ति करने वाले मौली शिंदे (निवासी कोहकड़ी) को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस कांस्टेबल गुजर इस रैकेट का एक अहम वितरक था। गुजर शिंदे से प्राप्त ड्रग्स को अपने दलालों के माध्यम से कॉलेज के छात्रों तक पहुंचाता था। खास बात यह है कि वह जिले में ड्रग्स की सुरक्षित बिक्री सुनिश्चित करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करता था। पुलिस ने इस रैकेट के अंतरराज्यीय नेटवर्क होने की प्रबल संभावना जताई है और एक पुलिसकर्मी की गिरफ्तारी से सनसनी फैल गई है।

घर में पति, बाहर दो बॉयफ्रेंड! सातारा में अवैध संबंधों से जन्मा खौफनाक खेल, सतीश की बेवजह हत्या

मुन्ना मुजावर

सतारा जिले के फलटन तालुका से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 27 वर्षीय युवक की अनैतिक संबंध विवाद में पत्थर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या के सबूत मिटाने के लिए आरोपियों ने शव को लकड़ी काटने की मशीन से टुकड़ों में काट दिया और उसे एक नदी और एक खेत के तालाब में फेंक दिया। इस क्रूर हत्या से पूरा सतारा जिला स्तब्ध है।

वास्तव में क्या हुआ?

सतीश उर्फ अप्पा दादासाहेब दादास उस 27 वर्षीय युवक का नाम है जिसकी हत्या कर दी गई। वह फलटन तालुका के सोमंथली का निवासी था। सतीश का एक महिला के साथ अनैतिक संबंध था। हालांकि, उस महिला का अपने पति के अलावा एक और प्रेमी से भी संबंध था। जानकारी सामने आई है कि सतीश की हत्या इसी 'प्रेम प्रसंग' के कारण हुई।

: मिली जानकारी के अनुसार, महिला ने अपने पहले प्रेमी और पति की मदद से अपने दूसरे प्रेमी सतीश की हत्या की साजिश रची। आरोपियों ने सतीश को पत्थर से कुचलकर मार डाला। आरोपी यहीं नहीं रुके, बल्कि हत्या का कोई सबूत न छोड़ने के लिए उन्होंने लकड़ी काटने की मशीन से शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। उन्होंने इन टुकड़ों को एक बोरी में भरकर इलाके की एक नदी और एक खेत के तालाब में फेंक दिया।

सतीश के लापता होने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया। पुलिस की वर्दी दिखाए जाने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में पुलिस ने महिला, उसके पति और उसके पहले प्रेमी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल और नदी के किनारे व्यापक तलाशी अभियान चलाया और शव के अवशेष बरामद किए। पुलिस अब मामले की गहन जांच कर रही है।

पुणे में सनसनी! पुलिसकर्मी 'नशीली दवाओं का तस्कर' निकला; 20 करोड़ रुपये के तस्करी मामले में चौंकाने वाला खुलासा

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे ग्रामीण पुलिस द्वारा चलाए गए मादक पदार्थों के खिलाफ एक बड़े अभियान में एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। 20 करोड़ रुपये मूल्य की 'एमडी' (मेफेड्रोन) ड्रग्स जब्त की गई हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस रैकेट का मुख्य सरगना पुलिस बल का एक कांस्टेबल निकला, जिसने पूरे राज्य में सनसनी मचा दी है। संरक्षक ही भोला खूंखार निकलाः इस मादक पदार्थों की तस्करी मामले का मुख्य आरोपी शमसुंदर गुर्जर अहिल्यानगर स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) में पुलिस कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। अपराधियों को गिरफ्तार करने वाली प्रणाली का हिस्सा होने के बावजूद, गुर्जर खुद मादक पदार्थों का तस्कर निकला है। जांच में पता चला है कि गुर्जर अपराधियों और तस्करों को अंदरूनी जानकारी देकर तस्करी रैकेट चलाने में मदद और संरक्षण प्रदान कर रहा था।

शिरूर पुलिस ने पहले शबाद शेख को 2 करोड़ 10 लाख रुपये की ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में ड्रग्स के पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। पुणे ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा और शिरूर पुलिस ने संयुक्त अभियान में शिरूर के पास कुरुंद गांव से 10 किलो एमडी ड्रग्स जब्त की। इस मामले में गुजरात को ड्रग्स की आपूर्ति करने वाले मौली शिंदे (निवासी कोहकड़ी) को भी गिरफ्तार किया गया है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)